SHRI K LAKKAPPA : This is not a proper apology. He has not done it in a proper manner.

MR. SPEAKER : Mr. Minister, you please give the reply. He has already put the quesion.

SHRI K LAKKAPPA : Without doing any home work he comes here. What is this ?

विमान यात्रियों की सुरक्षा

*530. **श्री केशव राव धोंडगे** : क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विमान सेवा संगठनों के कर्मचारियों तथा जनता ने सरकार से मांग की है कि विमानों के अपहरण की घटनाओं में वृद्धि को देखते हुए विमान यात्रियों की सुरक्षा के लिये और विमानों के अपहरण कर्त्ताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के लिए तत्काल प्रभावी व्यवस्था की जाये; और

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस बारे में क्या और किस प्रकार से सुरक्षा उपाय किये जा रहे हैं ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) : (क) और (ख). अपेक्षित सूचना देने वाला एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है ।

विवरण

(क) इंटरनेशनल फेडरेशन आफ एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ने निर्णय किया था कि 25 अक्तूबर, 1977 के 12.00 बज (जी एम० टी०) से वाणिज्यिक उड़ानें 48 घंटों की अवधि के लिये विश्वव्यापी स्तर पर रोक दी जाएंगी । उन्होंने विमान अपहरण को रोकने के लिये पारित किये गये अभिसमय (Convention) को लागू करने के प्रश्न पर विचार-विमर्श करने के लिये संयुक्त राष्ट्र सभा के अधिवेशन को तत्काल बुलाने की मांग की । संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने 9 सितम्बर, 1977 को हुए अधिवेशन में एक संकल्प सर्वसम्मति से पारित किया, जिस की प्रतिलिपि संलग्न है । इस संकल्प को दृष्टि में रखते हुए वाणिज्यिक उड़ानों को रोकने की प्रस्तावित घटना नहीं घटी ।

एयर इंडिया के केबिन कर्मचारियों ने 25/26 अक्तूबर की मध्य रात्रि से एका-एक 24 घंटे की हड़ताल कर दी जिसका जाहिरा तौर पर उद्देश्य यात्रियों के हथियारों एवं गोला बारूद को विमान पर केबिन कर्मचारियों की हिफ़ाज़त में रखने की परिपाटी का विरोध करना था ।

(ख) अपहरण से सुरक्षा के ऐसे उपायों को और कड़ा कर दिया गया है, जैसे परिचालन क्षेत्रों के लिये प्रवेश स्थलों का नियंत्रण , यात्रियों की शारीरिक तलाशी तथा हाथ के सामान की छान बीन , बोर्डिंग कार्डों पर स्टैम्प लगाने में अधिक सावधानी तथा चौगिर्दी परिसीमा की पर्याप्त सुरक्षा, इत्यादि ।

यदि कोई यात्री हथियार अथवा गोला बारूद इत्यादि ले जाते हैं तो वे उन से ले लिये जाते हैं और "कार्गो होल्ड" में रख दिये जाते हैं और उन के गंतव्य स्थान पर पहुंचने पर उन्हें दे दिये जाते हैं ।

संकल्प

संयुक्त राष्ट्र महासभा ,

यह स्वीकार करते हुए कि परिचालन (ऑपरेशन) की सुरक्षा को गारंटी प्रदान करने वाली स्थितियों के अंतर्गत अन्तर-राष्ट्रीय सिविल हवाई यात्रा को सुचारू रूप से संचालित होना सभी लोगों के हित में है और राज्यों के बीच मैत्री पूर्ण संबंध बनाए रखता है ;

25 नवम्बर, 1970 के अपने संकल्प 2645 (XXV) को ध्यान में रखते हुए, जिस में यह स्वीकार किया गया था कि विमान सेवा के अपहरण (हाईजैकिंग) के कार्य अथवा सिविल विमान यात्रा में अनुसूचित हस्तक्षेप, यात्रियों और विमान चालकों के जीवन और सुरक्षा को संकट में डाल देते हैं और उन के मानवीय अधिकारों का अतिक्रमण करते हैं।

अपने 12 दिसम्बर, 1969 के पूर्ववर्ती संकल्प 2551 (XXIV) और साथ ही ही 9 सितम्बर, 1970 के सुरक्षा परिषद् के संकल्प 286 (1970) और 20 जून, 1972 के सुरक्षा परिषद् के निर्णय को भी ध्यान में रखते हुए :—

1. विमान अपहरण के कार्यों अथवा बल प्रयोग या धमकी द्वारा सिविल विमान या यात्रियों में हस्तक्षेप करने के कार्यों की, तथा हिंसा के ऐसे सभी कार्यों की, जो यात्रियों, विमान चालकों और विमान के विरुद्ध किन्हीं व्यक्तियों अथवा राज्यों द्वारा किए जाते हों, पुनः पुनः प्रबल रूप से भर्त्सना करती है।

2. सभी राज्यों से अनुरोध करती है कि वे उपर्युक्त पैरा 1 में निर्दिष्ट प्रकार के कार्यों की रोक थाम के लिए, जिन में हवाई अड्डों पर अथवा एयरलाइनों द्वारा सुरक्षा प्रबन्धों में सुधार तथा साथ ही साथ प्रासंगिक सूचना का आदान-प्रदान भी शामिल है, संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय सिविल विमान न संगठन और संयुक्त राष्ट्र की संबंधित सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए, सभी प्रकार के आवश्यक कदम उठाएं और संयुक्त राष्ट्र चार्टर तथा संयुक्त राष्ट्र की तत्संबंधी घोषणाओं, रीतियों और संकल्पों में निहित उद्देश्य और सिद्धान्तों के प्रति निष्ठा बरतते हुए किसी राज्य की प्रभुसत्ता या क्षेत्रीय अखंडता पर आक्षेप किए बिना तथा संयुक्त राष्ट्र तथा अंतरराष्ट्रीय सिविल विमानन संगठन के सहयोग से यह सुनिश्चित करते हुए कि सिविल विमानन में कार्यरत यात्रियों, विमान चालकों और विमान का प्रयोग किसी भी प्रकार के लाभ के लिए नहीं किया जाएगा, संयुक्त रूप से अथवा पृथक्-पृथक्, इन लक्ष्यों की पूर्ति के लिए कार्य करें ;

3. उन सभी राज्यों से जो अभी सहयोगी नहीं हुए हैं, अपील करती है कि वे टोकियो में 14 सितम्बर, 1963 को हस्ताक्षरित अपराधों और विमान पर हुए कुछ अपराधों तथा अन्य कार्यों संबंधी कन्वेंशन, 16 दिसम्बर, 1970 को हेग में हस्ताक्षरित विमान के अवैध कब्जे का प्रतिनिवारण करने से संबंधित कन्वेंशन, 23 सितम्बर, 1971 को मांट्रियल में हस्ताक्षरित सिविल विमानन की सुरक्षा के विरुद्ध किए जाने वाले अवैध कार्यों का प्रतिनिवारण करने से संबंधित कन्वेंशन पर अपना अनुसमर्थन अथवा सहमति प्रदान करने के लिए अविलम्ब विचार करें।

4. हवाई यात्राओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने और उपर्युक्त पैरा 1 में निर्दिष्ट प्रकार के कार्यों की पुनरावृत्ति की रोकथाम के लिए, जिस में अंतरराष्ट्रीय सिविल विमान से कन्वेंशन के अनुबद्ध 17 का पुष्टिकरण भी शामिल है, अंतरराष्ट्रीय सिविल विमानन संस्था से अविलम्ब अधिकाधिक प्रयास करने का अनुरोध करती है।

5. सभी देशों की सरकारों से अपील करती है कि वे अपहरण संबंधी असामान्य परिस्थितियों का गंभीरता के साथ अध्ययन करें।

श्री केशव राव धोंडगे : मैं यह जानना चाहता हूं कि विमान सेवा संगठनों और जनता की ओर से हाईजैकिंग के खिलाफ़ सेफ्टी मेजर्ज लेने के बारे में मांग कब की गई थी? यू०एन० जेनरल एसेम्बली द्वारा 9 सितम्बर, 1977 को इस विषय में एक रेजोल्यूशन पास करने के बाद भी एयर इंडिया के केबिन क्रू ने 25/26 अक्तूबर, 1977 की रात से चौबीस घंटे की हड़ताल कर दी, इस की वजह क्या थी ?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : पहले पैसेंजर्ज अपने साथ जो हथियार ले जाते थे, उन्हें पायलट के पास रखा जाता था। उन लोगों का कहना था कि उन हथियारों को अन्य कार्गो के साथ रखना चाहिए। उन की इस मांग को स्वीकार कर लिया गया था और उस के बाद कोई हड़ताल नहीं हुई है।

श्री केशव राव धोंडगे : मैं यह जानना चाहता हूं कि हाईजैकिंग के खिलाफ़ ये सेफ्टी मेजर्ज पहले से लिये जा रहे हैं, या अब लिये जा रहे हैं और क्या मेटल डिटेक्टर्ज का इन्तज़ाम कर दिया गया है या नहीं ।

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : ये सेफ्टी मेजर्ज पहले से लिये जा रहे हैं। जब से जैपेनीज़ हवाई जहाज के हाईजैकिंग की घटना हुई है, तब से सर्च को और भी ज्यादा कर दिया गया है और यह बराबर देखा जा रहा है कि ऐसा कोई लूपहोल न रहे, जिस से इस तरह की घटना हो सके।

श्रीमती अहिल्या पी रांगनेकर : मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहती हूं कि जब यह क्रू स्ट्राइक पर गया तब एयर इंडिया के मैनेजमेंट ने लाक आउट का एलान किया था, वह लाक आउट उन्होंने वापस लिया है या उसकी क्या पोज़ीशन है ? उस लाक आउट के बारे में मंत्री जी की क्या राय है ?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : कौन से लाक आउट के बारे में आप पूछ रही हैं ?

श्रीमती अहिल्या पी० रांगनेकर : एयर इंडिया का लाक आउट जिस के बारे में अप्पूस्वामी ने एलान किया था कि दिसम्बर से लाक आउट करेंगे ।

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : उस लाक आउट के बारे में एयर इंडिया के एम्प्लायीज़ और मैनेजमेंट के बीच समझौता हुआ था और उस समझौते को स्वीकार कर के मैनेजमेंट ने लाक आउट का अपना इरादा छोड़ दिया है ।

Entertainment Expenditure by Air India High Executives Abroad

*531. SHRI JYOTIRMOY BOSU : Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to lay a statement showing ;

(a) the location of the Regional Directors, high Sales and Commercial Executives of the Air-India abroad who are empowered to incur expenditure in foreign exchange on entertainment etc. in the name of 'Business Promotion'; the ceiling fixed in each case ;

(b) what machinery has been provided to prevent the misuse of this expenditure and whether he would state the expenditure incurred during the year endig 30th June, 1977 by the various officers; and

(c) what measures are proposed to be taken to economise expenditure especially now when the serving of liquor has been stopped by Government?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) : (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रखा है ।

विवरण

(क) एयर इंडिया में जिन नियंत्रक अधिकारियों को विदेशों में मनोरंजन पर किये